विद्याभवन ,बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-25/05/2020***
वर्ग-पंचम ***वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी***

पाठ-2 (दादी माँ का पत्र)

सुप्रभात बच्चों ,

पिछली कक्षा में आपने दादी माँ का पत्र अध्ययन किया। जिसमें की शेष भाग बच गया था। जो इस प्रकार है—

मेरे एक भाई ने कहा, "रुको, पहले नौकरी तो मिल जाए, तब ख़ुशी मनाना।"
दूसरे भाई ने मज़ाक़ उड़ाया , "तुम भला शिक्षिका बनोगी, और सबको पढ़ाओगी, हुँह।"
संयोग से शिक्षिका के पद पर मेरी नियुक्ति हो गयी। मुझे सातवीं से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थी को हिंदी और अंग्रेज़ी पढ़ानी थी। मैं एक अच्छी छात्रा रह चुकी थी। मुझे स्वयं पर विश्वास था कि मैं इस कार्य को करने में सक्षम हूँ। हाँ मेरी विद्यार्थी उम्र में मुझसे थोड़े ही छोटे थे। इससे मुझे घबराहट होती। जिस दिन मुझे पहला वेतन मिला, वह मेरे जीवन का सबसे सुखद दिन था। वेतन लेकर मैं सीधे पिताजी के पास गयी। मैंने उनके चरण स्पर्श किए और बोली, "आज मुझे पहला वेतन मिला है। यह मेरी पहली कमाई है। इसे मैं आपको देना चाहती हूँ।" पिताजी गदगद हो गए। मेरे दोनों हाथ अपने हाथों में लेकर बोले, "मुझे गर्व है तुम पर। तुमने सिद्ध कर दिया कि तुम आत्मनिर्भर हो। यह तुम्हारी कमाई है- तुम्हारे अथक परिश्रम का फल।तुम्हें स्वयं पर गर्व होना चाहिए कि तुमने पढ़ाई का एक दिन व व्यर्थ जाने नहीं दिया। यही भावना सदा मन में बनाए रखो।"
पिताजी ने मेरे भीतर स्वाभिमान पैदा किया। उन्होंने मुझे महसूस कराया की शिक्षिका की नौकरी सबसे अच्छी नौकरी होती है और ऐसी कमाई सबसे अच्छी कमाई है।

आज के लिया इतना ही , शेष अगली कक्षा में।

बच्चों दी गयी अध्ययन-सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा सुंदर अक्षरों में कठिन शब्द लिखें।

गृहकार्य :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:—(लघु उत्तरीय प्रश्न)
(क) यह पत्र किसने, किसको लिखा?
(ख) लेखिका कैसा कार्य करना चाहती थी?
(ग) पिताजी की ज्ञान भरी बातों से लेखिका पर क्या प्रभाव पड़ा?

घर में रहें, सुरक्षित रहें।